एफपीआई ने लगाए 40 हजार करोड़

22 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा विदेशी निवेश

मुंबई, 2 अगस्त. भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी निवेशकों का भरोसा जुलाई में मजबूत होता नजर आया. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जुलाई में भारतीय बाजार में 40,031 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया. यह पिछले 22 महीनों में एफपीआई की ओर से किया गया सबसे बड़ा मासिक निवेश है.

खास बात यह है कि यह लगातार दूसरा महीना है, जब विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में शुद्ध खरीदारी की है. इससे पहले जून में एफपीआई ने 4,669 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था. सितंबर 2024 के बाद पहली बार जुलाई में विदेशी निवेशकों की खरीदारी 40 हजार करोड़ रुपए के पार पहुंची है. विदेशी निवेशकों की बढ़ी गतिविधि को भारतीय बाजार के प्रति उनके बढ़ते भरोसे के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है. जुलाई में एफपीआई ने केवल शेयर बाजार में ही पैसा नहीं लगाया, बल्कि ऋण और मिश्रित निवेश साधनों में भी निवेश बढ़ाया. आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने जुलाई में शेयरों में 20,200 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया. वहीं, ऋण से जुड़े निवेश साधनों में उनका शुद्ध निवेश 18,660 करोड़ रुपए रहा. मिश्रित निवेश साधनों में उन्होंने 166 करोड़ रुपए और म्यूचुअल फंड में 1,001 करोड़ रुपए लगाए. इस तरह जुलाई में एफपीआई का निवेश लगभग सभी प्रमुख निवेश खंडों में बढ़ा. इससे संकेत मिलता है कि विदेशी निवेशक भारतीय अर्थव्यवस्था और घरेलू वित्तीय बाजार को लेकर पहले की तुलना में अधिक सकारात्मक रुख अपना रहे हैं.

> पश्चिम एशिया संकट के बाद मार्च, अप्रैल और मई के दौरान एफपीआई ने भारतीय बाजार से कुल मिलाकर करीब 2.26 लाख करोड़ रुपए की निकासी की थी. इसके बाद जून में निवेश का रुख बदला और जुलाई में इसमें और तेज बढ़ोतरी देखने को मिली. चालू कैलेंडर वर्ष में अब तक एफपीआई ने भारतीय बाजार से कुल 1,72,842 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है.

कॉटन कार्पोरेशन का 56वां स्थापना दिवस

छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र) 01 अगस्त केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को यहां सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम 'भारतीय कपास निगम लि. के 56वां स्थापना दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह में कपास किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध जताते हुए उन तक सूचनाएं पहुंचाने के लिए 'कपास दर्शन' बुलेटिन का शुभारंभ किया.

श्री सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कहा कि कपास भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भरता और कृषि समृद्धि का आधार है तथा सरकार कपास किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. कपड़ा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार 'कपास दर्शन' बुलेटिन सके माध्यम से किसानों को समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, बाजार भाव, वैज्ञानिक खेती की सलाह, गुणवत्ता प्रबंधन, तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी.

केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि कपास विपणन सत्र 2025-26 के दौरान सीसीआई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) योजना के तहत लगभग 522 लाख क्विंटल कपास की खरीद की जिसमें करीब 24 लाख किसानों ने भाग लिया.

भारत, रवांडा द्विपक्षीय व्यापार संबंध होंगे गहरे

संयुक्त व्यापार समिति की पहली बैठक में दोनों पक्षों ने जतायी प्रतिबद्धता

नयी दिल्ली, 02 अगस्त अफ्रीकी देश रवांडा ने भारत के साथ महत्वपूर्ण खनिजों, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जतायी है.

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि भारत-रवांडा संयुक्त व्यापार समिति की राजधानी में शुक्रवार को सम्पन्न हुई दो दिवसीय पहली बैठक में दोनों पक्षों ने आपसी निवेश और व्यापार संबंध बढ़ाने पर प्रतिबद्धता जतायी. बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र को सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचान की गयी. बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव अमित कुमार ने किया जबकि रवांडा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रवांडा गणराज्य के विदेश मामलों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के एशिया, प्रशांत और मध्य पूर्व मामलों के महानिदेशक वर्जिल रवान्यागाटारे ने किया.

वाणिज्य विभाग के अपर सचिव यशवीर सिंह ने बैठक में कहा कि संयुक्त व्यापार समिति की इस पहली बैठक से द्विपक्षीय व्यापार की समीक्षा करने, व्यापार में विविधता लाने, दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाने और परिवहन क्षेत्र संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए एक स्थायी, संरचित और आवधिक शीर्ष तंत्र की स्थापना करने का अवसर मिला है.

दोनों पक्षों ने वस्तुओं और सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की. भारत से रवांडा को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में औषधि निर्माण और जैविक उत्पाद, दोपहिया और तिपहिया वाहन, औद्योगिक और विद्युत मशीनरी, तेल खली लोहा एवं इस्पात उत्पाद शामिल हैं जबकि रवांडा से भारत को निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में सीसा, मसाले, आवश्यक तेल, तांबा, बहुमूल्य अर्ध-बहुमूल्य पत्थर, प्रसंस्कृत कृषि उत्पाद और खनिज शामिल हैं.

> भारत ने भारी इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरण, परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद, वस्त्र, समुद्री उत्पाद, प्लास्टिक, खेल सामग्री और खिलौने, रत्न और आभूषण तथा वैज्ञानिक उपकरणों के निर्यात में विस्तार की संभावनाओं के बारे में बताया. रवांडा भारत से बड़ी मात्रा में दवाओं का आयात करता है जो वहां औषधियों कुल आयात का लगभग 24.5 प्रतिशत है.

पश्चिम एशिया संकट से तेल कंपनियों को नुकसान

नयी दिल्ली, 2 अगस्त पश्चिम एशिया संकट के कारण सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकल आधार पर 18,150 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ.

पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों के साथ हुई थी. हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण कच्चे तेल की कीमत अचानक बढ़ गयी. इससे तेल विपणन कंपनियों की कच्चे माल की लागत बढ़ गयी.

देश की तीनों सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को इस कारण पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) के दौरान भारी नुकसान उठाना पड़ा. इंडियन ऑयल का नुकसान 2,661 करोड़ रुपये, भारत पेट्रोलियम का 3,962 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का 11,526 करोड़ रुपये रहा. इस प्रकार कुल 18,150 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ है. वहीं, इस संकट के बीच बाजार में इन कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले पेट्रोलियम उत्पादों जैसे पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, पीएनजी आदि के दाम भी बढ़े.

एसबीआई लाइफ का नया कारोबार बढ़ा

मुंबई, 2 अगस्त. देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में शामिल एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 30 जून, 2026 को समाप्त पहली तिमाही में 8,908 करोड़ रुपए का नया बिजनेस प्रीमियम दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (30 जून, 2025) के 7,268 करोड़ रुपए की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है.

इस दौरान कंपनी के नियमित प्रीमियम में 40% की बढ़ोतरी हुई.सुरक्षा योजनाओं पर विशेष फोकस के साथ एसबीआई लाइफ का प्रोटेक्शन न्यू बिजनेस प्रीमियम 30 जून, 2026 को समाप्त अवधि में 100% की वृद्धि के साथ 1,958 करोड़ रुपए पर पहुँच गया. वहीं, प्रोटेक्शन इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम 22% बढ़कर 202 करोड़ रुपए रहा. इस दौरान, कंपनी का इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम भी 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के मुकाबले 14% की वृद्धि के साथ 5,613 करोड़ रुपए दर्ज किया गया. 30 जून, 2026 को समाप्त अवधि में एसबीआई लाइफ का कर पश्चात लाभ 22% की वृद्धि के साथ 725 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 594 करोड़ रुपए था. 30 जून, 2026 तक कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 1.96 रहा, जो नियामकीय आवश्यकता 1.50 से काफी अधिक है. 30 जून, 2026 तक एसबीआई लाइफ की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियाँ (एयूएम) 10% बढ़कर 5,24,850 करोड़ रुपए हो गईं, जो एक वर्ष पहले 4,75,813 करोड़ रुपए थीं. कंपनी के निवेश पोर्टफोलियो में ऋण और इक्विटी का अनुपात 60:40 है, जबकि ऋण निवेश का 94% हिस्सा एएए रेटिंग और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेशित है.

> कंपनी के पास 3,71,935 प्रशिक्षित बीमा पेशेवरों का व्यापक वितरण नेटवर्क और देशभर में 1,241 कार्यालयों का मजबूत नेटवर्क है. इसके वितरण माध्यमों में बैंक अश्योरेंस, एजेंसी, कॉर्पोरेट एजेंट, ब्रोकर, पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस), इंश्योरेंस मार्केटिंग फर्म, वेब एग्रीगेटर और प्रत्यक्ष कारोबार शामिल हैं. 30 जून, 2026 को समाप्त अवधि की प्रमुख उपलब्धियाँ इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम और इंडिविजुअल रेटेड प्रीमियम में निजी क्षेत्र में क्रमशः 24.9% और 22.2% बाजार हिस्सेदारी के साथ कंपनी ने अपनी अग्रणी स्थिति बरकरार रखी

बदलेगा हथकरघा क्षेत्र का भविष्य

2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हैकाथॉन में हिस्सा

दिल्ली में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हथकरघा टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली, 2 अगस्त. भारत के पारंपरिक हथकरघा क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है.

वस्त्र मंत्रालय की विकास आयुक्त (हथकरघा) डॉ. एम. बीना ने कहा कि आईआईटी और निफ्ट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से ऐसे तकनीकी समाधान विकसित किए जा सकते हैं, जो बुनकरों की मेहनत को कम करने के साथ-साथ उत्पादन प्रक्रिया में वैज्ञानिक सुधार और आजीविका के नए अवसर पैदा करेंगे. उन्होंने यह बात रविवार को आईआईटी दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर में आयोजित 'हैंडलूम हैकाथॉन 2.0' को संबोधित करते हुए कही. डॉ. बीना ने कहा कि हथकरघा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जबकि तकनीक भविष्य की जरूरतों को पूरा करने का माध्यम है. दोनों के बेहतर समन्वय से बुनकर समुदाय को नई दिशा दी जा सकती है. वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस हैकाथॉन में देशभर से 2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया. इनमें से चयनित शीर्ष 100 टीमों के 280 प्रतिभागियों ने हथकरघा क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान के लिए तकनीक आधारित नए विचारों पर काम किया.

> वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस हैकाथॉन में देशभर से 2,500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया. इनमें से चयनित शीर्ष 100 टीमों के 280 प्रतिभागियों ने हथकरघा क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान के लिए तकनीक आधारित नए विचारों पर काम किया.

दुपहिया बिक्री में जुलाई में जारी रही मजबूती

नयी दिल्ली, 02 अगस्त देश में दुपहिया वाहनों की बिक्री जुलाई में भी मजबूत रही और हीरो मोटोकॉर्प तथा रॉयल इनफील्ड की बिक्री क्रमशः 19 प्रतिशत तथा 34 प्रतिशत बढ़ गयी.

जापानी कंपनी होंडा मोटर की भारतीय इकाई होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 5.42 लाख इकाई पर पहुंच गयी. कंपनी ने शनिवार को बताया कि जुलाई उसने घरेलू बाजार में 4.76 लाख वाहन बेचे जो एक साल पहले के मुकाबले दो प्रतिशत अधिक है.

वित्त वर्ष 27 में आरओए लक्ष्य बढ़ा

सकल लोन बुक में सुरक्षित ऋण की भागीदारी 50.4% रही

सिलीगुड़ी, 2 अगस्त उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने आज जून 2026 में समाप्त हुई तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम की घोषणा की.

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के व्यावसायिक प्रदर्शन का सारांश- वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही जमा 48,129 करोड़ रुपए, सालाना आधार पर 24.6% / तिमाही आधार पर 5.4% की बढ़ोतर कासा 12,930 करोड़ रुपए, सालाना आधार पर 37.8% की बढ़ोतरी, कासा रेशियो 26.9 वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के लिए फंड की लागत 6.9%, सालाना आधार पर 71 आधार अंक / तिमाही आधार पर 11 आधार अंक की कमी सिक्योर्ड बुक 21,638 करोड़ रुपए, सालाना आधार पर 42.7% / तिमाही आधार पर 7.8% की बढ़ोतरी और बुक हिस्सेदारी 50.4 नए व्यवसाय- स्वर्ण एवं वाहन ऋण अब क्रमशः 1,020 करोड़ रुपए और 1,036 करोड़ रुपए हैं पहली तिमाही के दौरान सबसे अधिक ऋण वितरण 9,245 करोड़ रुपए, सालाना आधार पर 41.4% की बढ़ोतरसंग्रह और परिसंपत्ति गुणवत्ता जोखिम वाला पोर्टफोलियो जून 2026 में 3.58%, जबकि जून 2025 में 4.81% रहा.

जीएनपीए / एनएनपीए में तिमाही-दर-तिमाही सुधार, जून 2026 में 2.17% / 0.34% जो मार्च 2026 में 2.27% / 0.43% प्रोविज़न कवरेज अनुपात जून 2026 में 85%, जो जून 2025 में 73% और मार्च 2026 में 81% था वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के लिए स्थिर माइक्रो बैंकिंग बकेट-एक्स कलेक्शन एफिशिएंसी 99.68% रही.

> उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक की कार्यकारी निदेशक, सुश्री कैरोल फर्टाडो ने कहा, 'वैश्विक बाजार में जारी अनिश्चितताओं के बावजूद, घरेलू स्तर पर विभिन्न आर्थिक संकेतकों में स्थिरता नजर आई है. आरबीआई ने संतुलित रुख के साथ अपनी नीतिगत रेपो दर को 5.25% पर बनाए रखा है, साथ ही, वित्त वर्ष 27 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.6% और पूरे साल के लिए महँगाई दर तय दायरे में यानि 5.1% रहने का अनुमान जाहिर किया है.

समाचार विशेष

शरद पवार के अगले दांव से कांग्रेस बेचैन

मुंबई. शरद पवार एक बार फिर महाराष्ट्र की राजनीति को जोर का झटका देने के लिए तैयार हैं. एक तरफ वे अपनी और सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले दोनों एनसीपी गुटों के एक होने की अटकलों को लगातार खारिज कर रहे हैं, तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी नजदीकियों बढ़ रही है.

इससे कांग्रेस, उद्धव सेना और पूरे इंडी गठबंधन में बेचैनी बढ़ गई है. सवाल यह नहीं है कि पवार किससे मिल रहे हैं, बल्कि यह है कि आखिर उनका अगला राजनीतिक कदम क्या होगा ? इधर, बीजेपी महाराष्ट्र में अपनी मराठा राजनीति को मजबूत करते हुए संसद में डीलिमिटेशन बिल को पास कराने में पवार सहित अन्य छोटे दलों का समर्थन लेने की कोशिश में है और उसमें शरद पवार ही बड़ी भूमिका निभा सकते हैं.

पीएम से फिर मिलेंगे शरद पवार- शरद पवार अपनी बेटी सुप्रिया सुले के साथ प्रधानमंत्री मोदी से 22 जुलाई को मिले थे. दिलचस्प बात यह रही कि इस मुलाकात से पहले दोनों ने जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों से भी भेंट की. अब खबर है कि पवार एक बार फिर प्रधानमंत्री से मिलने वाले हैं. इस बार बहाना बारामती में आमंत्रण का है, लेकिन राजनीति में बहानों के पीछे छिपे संकेतों को समझने की कोशिशें तेज हो गई हैं. बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान के ट्रस्टियों ने शरद पवार से आग्रह किया है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संस्थान के नए प्रेरणा स्थल डोम के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करें.

> ### शरद पवार की क्या प्लानिंग?
> राजनीति के जानकारों का कहना है कि शरद पवार स्वयं को ऐसे नेता के रूप में स्थापित रखना चाहते हैं, जो सत्ता और विपक्ष दोनों से समान दूरी और समान निकटता बनाए रख सके. राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि है कि संवाद की यह राजनीति पवार की सौदेबाजी की क्षमता को मजबूत करती है और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक बनाए रखती है. कांग्रेस की राजनीति पर नजर रखने वाले पर्यवेक्षक संदीप सोनवलकर का कहना है कि परिसीमन जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी पवार का अंतिम रुख क्या होगा, इसका स्पष्ट अनुमान लगाना कांग्रेस के लिए आसान नहीं है. यही अनिश्चितता सबसे अधिक बेचैन कर रही है. वे कहते हैं कि पवार की अन्य दलों से बातचीत की क्षमता ने ही उनको इस दौर की धुरी में खड़ा किया है.

न विधायक न एमएलसी, फिर भी मंत्री क्यों?

दीपक प्रकाश पर सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार से पूछा सवाल

पटना. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार, 31 जुलाई को बिहार सरकार में मंत्री दीपक प्रकाश से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई की. इस दौरान अदालत ने बिहार सरकार से सवाल करते हुए पूछा कि दीपक प्रकाश विधानसभा और विधान परिषद का सदस्य नहीं होने के बावजूद भी 6 महीने से अधिक समय के लिए मंत्री पद पर कैसे बने हुए हैं.

गौरतलब है कि आरएलपी सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश बिहार सरकार में पंचायती राज मंत्री हैं. याचिका पर सुनावई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत से याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि छह महीने से अधिक समय हो चुका है. दीपक प्रकाश न ही विधायक न ही एमएलसी, इसके बावजूद भी वह सरकार में मंत्री बने हुए हैं. याचिकाकर्ता के वकील ने सर्वोच्च न्यायालय से इस मामले में दखल देने की अपील करते हुए कहा छह महीने से अधिक समय के बाद भी दीपक प्रकाश मंत्री बने हुए हैं.

मंत्री रहने का आधार क्या?- सुनावई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यह मामला पूरी तरह से कानून से जुड़ा है. बिहार सरकार को इसका जवाब देना होगा कि दीपक प्रकाश कुशवाहा, जो विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य नहीं होने के बावजूद भी किस संवैदानिक आधार पर छह महीने से ज्यादा समय तक मंत्री पद पर बने हुए हैं? मंत्री बने रहने की अनुमति देने का आधार क्या है? यह याचिका दीपक प्रकाश के राज्य के विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य न होने के बावजूद बिहार के पंचायती राज मंत्री के तौर पर बने रहने की संवैधानिक वैधता से जुड़ी है.

> ### बिना चुनाव जीते मंत्री बनने का नियम
> भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164(4) के अनुसार, कोई भी व्यक्ति बिना विधायक या विधान पार्षद बने अधिकतम 6 महीने तक मंत्री या मुख्यमंत्री के पद पर रह सकता है. इस तय समय-सीमा के भीतर उस व्यक्ति को राज्य के किसी भी एक सदन की सदस्यता हासिल करना अनिवार्य होता है.

मंच पर आए, बोले और चले गए

5 सेकंड के भाषण में अनंत सिंह ने क्या कहा जो अब हो रहा वायरल

पटना. बिहार के मोकामा विधानसभा सीट से विधायक और जदयू नेता अनंत सिंह अपने बयान को लेकर हमेशा चर्चाओं में रहते हैं. सोशल मीडिया पर फिर एक उनका वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है.

दरअसल, एक कार्यक्रम के दौरान जब उन्हें लोगों को संबोधित करने के लिए मंच पर बुलाया गया तो उन्होंने सिर्फ 5 सेकेंड के अंदर ही अपना भाषण खत्म कर दिया. जिसके बाद से इस वीडियो को लेकर इंटरनेट पर चर्चा हो रही है. गौरतलब है कि अनंत सिंह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू प्रमुख नीतीश कुमार के बेहद करीबी बताए जाए. लोग उन्हें छोटे सरकार के नाम से भी जानते हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनंत सिंह एक उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे. इस दौरान वहां मंच संचालन कर रहे शख्स ने मोकामा विधायक को संबोधन के लिए आमंत्रित किया. मंच पर पहुंचने के बाद अनंत सिंह ने अपने स्टाईल में दोनों हाथ उठाकर सभी का अभिवादन किया. इसके बाद उन्होंने अपनी भाषा में कहा, 'सभी आदमी को प्रणाम करो हइयो'. हिंदी में इसका मतलब यह हुआ कि सभी को प्रणाम करता हूं. इतना बोलने के बाद ही अनंत सिंह ने अपनी भाषण को समाप्त कर दिया और हल्की मुस्कान के साथ अपनी कुर्सी की ओर चल पड़े. छोटे सरकार का यह अंदाज देख मंच पर मौजूद नेता, कार्यकर्ता और पदाधिकारी ठहाके लगाकर हंसने लगे.

सिर्फ 5 सेकेंड में खत्म किया संबोधन- सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि छोटे सरकार किस तरह सिर्फ 5 सेकेंड के अंदर ही अपना संबोधन खत्म कर देते हैं. इसके बाद वह वापस अपने सीट की ओर चले जाते हैं. यह वीडियो देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं. कुछ यूजर्स अनंत सिंह के इस अनोखे अंदाज की जमकर तारीफ भी कर रहे हैं. इसके साथ ही इस वीडियो को उनके समर्थकों द्वारा खूब शेयर किया जा रहा है.

> ### 'छोटे सरकार के अंदाज के लोग दिवाने'
> वीडियो शेयर करते हुए एक एक्स यूजर ने लिखा कि आज तक की राजनीति में सबसे बड़ा संबोधन. जनता के दिल में राज करने के लिए इसी सादगी और अपनेपन की जरूरत होती है. छोटे सरकार अनंत सिंह का यही ठेठ अंदाज उन्हें दूसरों से अलग और जनता का चहेता बनाता है. छोटे सरकार के इस एक वाक्य के सामने बड़े-बड़े मंचों से बड़े-बड़े भाषण फेल हैं.

विशेष | **युवाओं पर दलों का फोकस; भाजपा इंस्टाग्राम पर, सपा शुरू करेगी जेन संवाद**

जेन-जी की ताकत से बदली सियासत?

नई दिल्ली. जेन-जी की ताकत दुनिया ने देखी. अब इससे चौकन्ने हो रहे राजनीतिक दल नए सिरे से अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं. उनकी प्राथमिकता सूची में अब इंस्टाग्राम जैसा युवाओं में बेहद लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम है. 18 से 29 साल के छात्रों, प्रोफेशनल्स व बेरोजगारों से खुद को ज्यादा प्रभावी तरीके से जोड़ने पर फोकस बढ़ रहा है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों युवाओं को संबोधित अपने तीन वीडियो संदेश इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए. अब उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी अपने अभियान में इसी के जरिए युवाओं के बीच पैठ और बढ़ाएगी. साथ ही विरोधियों के हमलों पर जवाब भी देगी.

भाजपा को संदेश दिया गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म में जहां युवा सबसे ज्यादा सक्रिय हैं, वहां अपनी बात पहुंचाएं.

युवाओं को दे रहे पार्टी में जिम्मेदारी- समाजवादी पार्टी अब 'जेन-जेड संवाद' शुरू कर रही है. यह सपा के विजन इंडिया अभियान का विस्तार माना जा रहा है. कांग्रेस भी युवाओं से जुड़ने का विशेष अभियान तय करने जा रही है.

वहीं, बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी उपाध्यक्ष आकाश आनंद को युवाओं से जोड़ने की बड़ी जिम्मेदारी दी है.

> ### युवाओं के आंदोलन से दल ले रहे सबक
> जेन-जी की ताकत को पार्टियों ने तब ही भांपना शुरू कर दिया जब जंतर-मंतर से लेकर देश के दूसरे हिस्सो में युवाओं का आंदोलन तेजी से आगे बढ़ रहा था. दलों को इससे संदेश मिला कि युवा अपने मुद्दों पर मुखर हैं और उनका वोट राजनीतिक रुझान से उलट हो सकता है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रणनीति के तहत प्रदर्शन को फैलने से रोका, वहीं सपा, कांग्रेस व अन्य पर छात्रों को भड़काने का आरोप लगाया. उधर, सपा सांसद डिंपल यादव धरना स्थल पर पहुंच प्रदर्शकारियों की मदद करती दिखीं.